देश में 62% एक्सप्रेस वे यूपी में होंगे

कवायद

लखनऊ, विशेष संवाददाता। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे की सौगात मिलने के बाद अब यूपी देश के कुल एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे नेटवर्क का 42% हिस्सा अकेले अपने नाम कर चुका है। अभी तक यह 38% था। 594 किमी के गंगा एक्सप्रेसवे के बन जाने के बाद उत्तर प्रदेश की देश के कुल एक्सप्रेसवे में हिस्सेदारी 62% हो जाएगी। यानी देश में बने हर 10 किलोमीटर एक्सप्रेसवे में से 6 किलोमीटर एक्सप्रेसवे यूपी में होंगे।

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के मुताबिक देशभर में जहां कुल 2900 किमी एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे मौजूद हैं, वहीं 1200 किमी से ज्यादा एक्सप्रेसवे अकेले उत्तर प्रदेश में हैं। जल्द ही गंगा एक्सप्रेसवे भी इसका हिस्सा होगा, जिसके जुड़ने से उत्तर प्रदेश का कुल शेयर 62 प्रतिशत से ज्यादा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे बनाने में 7200 करोड़ रुपए की लागत आई है, जिसमें 3400 करोड़ रुपए इसे बनाने में और शेष भूमि अधिग्रहण और अन्य मदों में खर्च किया गया है। इसके लिए 22 हजार किसानों से 1100 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया है। उत्तर प्रदेश देश का पहला और इकलौता राज्य है जहां सबसे अधिक एक्सप्रेसव न केवल बनकर तैयार हो चुके हैं, बल्कि कई निर्माणाधीन और प्रस्तावित भी हैं। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश का सातवां एक्सप्रेसवे है। इसके अतिरिक्त 3 निर्माणाधीन और 8 प्रस्तावित हैं। प्रदेश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे गंगा

2017 से पूर्व 'डी' कंपनी की होती थी पार्टनरशिप : योगी

आजमगढ़। पवई इलाके के सलारपुर में शुक्रवार को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से गोरखपुर को जोड़ने वाले लिंक एक्सप्रेस का उद्घाटन करने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाम लिये बगैर सपा और अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। सीएम ने कहा कि वे विकास नहीं करते थे। वे मुंबई की डी कंपनी के साथ पार्टनरशिप करते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे नहीं बनवाया। महाराज सुहेलदेव के नाम पर विश्वविद्यालय नहीं बनाया। वे विकास नहीं करते थे। वे दाऊद गिरोह को पालते थे। उनके साथ मिलकर बंदरबांट करते थे। सुरक्षा में सेंध लगाते थे। कोई आतंकी वारदात होती थी तो बदनाम आजमगढ़ होता था। पहचान का संकट मेरे नौजवानों के सामने आता था। आज ऐसा नहीं है।